Literacy for a Billion

Movie: Vivah
Year: 2006

Song: Humari shadi mein
Lyricist: Ravindra Jain

हमारी शादी में
हमारी शादी में
अभी बाकी हैं हफ्ते चार
चारसौ बरस लगें
ये हफ्ते कैसे होंगे पार
नहीं कर सकता मैं
और इक दिन भी इंतजार
आज ही पहना दे
पहना दे
पहना दे
आज ही पहना दे
तेरी गोरी बाँहों का हार
पूनम हो...
हो जानम हो...
हो पूनम हो...
हो जानम हो...

नीचे जो देखूँ तो
ओशन ही ओशन है
ऊपर जो देखूँ तो
तू आकाश में रौशन है
मिलन की जल्दी है
मिलन की जल्दी है
प्लेन की धीमी है रफ़्तार
मेरा बस चले तो मैं
दूँ उसकी छत पे प्लेन उतार
मजे ससुराल के लूँ
महीना पूरा वहाँ गुजार
उसे लेकर लौटूँ
संग लेकर लौटूँ
उसे लेकर लौटूँ
मैं जिसका इकलौता हकदार
हो पूनम हो...
हो जानम हो...
हो पूनम हो...
हो जानम हो...

हर परदेस में जानेवाले को है
मेरी राय
जहाँ भी जाए
अपना दिलबर संग में ही ले जाए
दूरी इक पल की
हो दूरी इक पल की
मुझसे अब तो सही न जाए
काश क़िस्मत मेरी
मेरा थोड़ासा साथ निभाए
मुझसे मिलने को
वो दिल्ली एयरपोर्ट पे आए
उसको देखते ही
अचानक देखते ही
हो उसको देखते ही
मेरा दिल जोरों से चिल्लाए
हो पूनम हो...
हो जानम हो...
हो पूनम हो...

हो जानम हो...

हमारी शादी में
हमारी शादी में
अभी बाकी हैं हप्ते चार
महीने बीत गए
ये दिन भी हो जाएँगे पार
ना फिर तरसाऊँगी
और करवाके इंतजार
मैं यूँ पहना दूँगी
ऐसे पहना दूँगी
हक से पहना दूँगी

तुम्हें अपनी बाँहों का हार
हो साजन हो
हो बालम हो
हो साजन हो
बालम हो
हमारी शादी में
अभी बाकी हैं हप्ते चार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.